शारदा

कला

अध्यायवार विभाजित हल प्रश्न-पत्र

TGT/PGT/LT Grade/ GIC/GDC/Bihar School Teacher
UGC-NET/Assistant Professor/KVS/DSSSB/SET

सम्पादक
आर. जायसवाल

लेखन एवं सहयोग
कला विशेषज्ञ समिति

© शारदा पब्लिकेशन के अधीन सुरक्षित

ISBN : 978-81-975459-5-5
प्रथम संस्करण : **2025**

मूल्य 160/-

प्रकाशक

शारदा पुस्तक भवन
पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
610/479/1, न्यू मम्फोर्डगंज, प्रयागराज-211002 (उ.प्र.)
: 0532-2644643; 9198888981; : 9198888981; 9451786219
: spballd@gmail.com, spballd@yahoo.in
: shardapustakbhawan.com

सर्वाधिकार प्रकाशक के अधीन सुरक्षित : प्रकाशन के किसी भी अंश का पुनः मुद्रीकरण या प्रस्तुतीकरण या किसी भी रूप में प्रतिलिपिकरण जैसे – फोटो प्रति या किसी भी माध्यम में ग्राफिक्स के रूप में संग्रहण, इलेक्ट्रानिक या यांत्रिकीकरण द्वारा इसका उपयोग भी कॉपीराइट के स्वामित्वधारक की लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। किसी भी प्रकार से इसके भंग होने या लिखित अनुमति न लेने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के उन पर कानूनी कार्रवाही की जाएगी।

प्रस्तुत पुस्तक को प्रकाशित करने में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए लेखक, संपादक, प्रकाशक, मुद्रक अथवा विक्रेता उत्तरदायी नहीं है। **प्रस्तुत पुस्तक** में कोई तथ्यात्मक त्रुटि या किसी प्रकार की कमी के सम्बन्ध में विद्वत् पाठकगणों से भूल सुधार/सुझाव सदैव आमंत्रित हैं।

न्यायिक क्षेत्र : इस प्रकाशन से सम्बन्धित सभी विवादों का निस्तारण न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज (उ.प्र.), न्यायालय, न्यायाधिकरण तथा फोरम में किया जायेगा।

विषय सूची

क्रम	विषय	पेज नं.
1.	**भारत के प्रागैतिहासिक कला केन्द्र** • मिर्जापुर • भीमबेटका • रायगढ़ • बाँदा • पंचमढ़ी • होशंगाबाद • अन्य	5-9
2.	**सिन्धु घाटी सभ्यता की कला** • हड़प्पा और मोहनजोदड़ो	10-13
3.	**भारतीय चित्रकला के छः अंक** • जोगीमारा • अजंता • बाघ • बादामी • एलोरा • सित्तनवासल	14-25
4.	**भारतीय लघु चित्रकला** • पाल • जैन • अपभ्रंश • मौर्यकला	26-30
5.	**राजस्थानी शैली** • बूंदी • कोटा • किशनगढ़ • जयपुर • मेवाड़ शैली	31-37
6.	**मुगल शैली** • अकबर • जहाँगीर • शाहजहाँ • औरंगजेब	38-45
7.	**पहाड़ी शैली** • कांगड़ा • बसोहली • कंपनी शैली	46-50
8.	**बंगाल शैली और उनके कलाकार** • मिर्जापुर • भीमबेटका • रायगढ़ • बाँदा • पंचमढ़ी • होशंगाबाद • अन्य	51-61
9.	**समसामयिक चित्रकला और उसके मुख्य कलाकार** • मिर्जापुर • भीमबेटका • रायगढ़ • बाँदा • पंचमढ़ी • होशंगाबाद • अन्य	62-79
10.	**समकालीन चित्रकला** • धाराएँ • प्रसिद्ध चित्रकार	80-89
11.	**कला के तत्त्व** • रेखा • आकार/आकृति • वर्ण/रंग • तान • पोत • अन्तराल	90-101

क्रम	विषय	पेज नं.
12.	**परिप्रेक्ष्य और उसका चित्रकला में महत्त्व** • मिर्जापुर • भीमबेटका • रायगढ़ • बाँदा • पंचमढ़ी • होशंगाबाद • अन्य	102-110
13.	**बाइजेन्टाइन चित्रकला** • पुनरुत्थान कालीन यूरोपीय चित्रकला • चरमपुनरुत्थान कालीन यूरोपीय चित्रकला	111-114
14.	**प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्त/वाद** • नवशास्त्रीय कला • स्वच्छंदवादी चित्रकला • प्रभाववाद • नवप्रभाववाद • उत्तर प्रभाववाद	115-123
	• घनवाद • अभिव्यंजनावाद • यथार्थवाद • अतियथार्थवाद • भविष्यवाद • जंगलवाद	
15.	**पूर्व-पश्चिम की सौंदर्यशास्त्र की तुलनात्मक व्याख्या** • रस और सौंदर्यबोध का कला में स्थान • कला रसास्वादन एवं षडंग	124-131
16.	**विविध** • मिर्जापुर • भीमबेटका • रायगढ़ • बाँदा • पंचमढ़ी • होशंगाबाद • अन्य	132-159

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

पाठ्यक्रम : कला

भारत के प्रागैतिहासिक कला केन्द्र जैसे मिर्जापुर, भीमबेटका, रायगढ़, बाँदा, पंचमढ़ी, होशंगाबाद इत्यादि। सिन्धु घाटी, सभ्यता की कला (हड़प्पा और मोहनजोदड़ों) भारतीय चित्रकला : जोगीमारा अजन्ता, बाघ, बादामी, एलोरा, सित्तनवासल इत्यादि के भित्तिचित्र, भारतीय लघु चित्रकला (जैन, पाल, अपभ्रंश) राजस्थानी, शैली (बूंदी, कोटा, किशनगढ़, जयपुर इत्यादि) मुगल शैली (अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ, औरंगजेब) पहाड़ी शैली (कांगड़ा, बसौली, इत्यादि) बंगाल शैली और उसके कलाकार जैसे अवनीन्द्र नाथ ठाकुर, नन्द लाल बोस, असित कुमार हल्ढ़ार, डी.पी. राय चौधरी, क्षितीन्द्र नाथ मजुमदार इत्यादि, समसामयिक चित्रकला और उसके मुख्य कलाकार, जैसे राजा रवि वर्मा, रवीन्द्र नाथ ठाकुर, गगनेन्द्र नाथ ठाकुर, यामिनी राय, अमृता शेरगिल, एन. एस. बेन्दे, के. के. हेब्बर, के एस. कुलकर्णी, एम. एफ. हुसैन, के. एच. आरा इत्यादि। कला के तत्व जैसे रेखा, आकार वर्ण तान, पोत अन्तराल, चित्र संयोजन के सिद्धान्त जैसे– सहयोग, सामंजस्य संतुलन, प्रभावित लय अनुपात, परिप्रेक्ष्य और उसका चित्रकला में महत्व।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

पाठ्यक्रम : कला प्रवक्ता

विश्व की प्रागैतिहासिक चित्रकला के प्रमुख केन्द्र जैसे–अल्टीमीराम (स्पेन), लासकाम्स (कागुल), भोपालन क्षेत्र (भीम बेटका), मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश), होशंगाबाद (म. प्र.), भित्ति चित्रण की परम्पराएं– फ्रेस्को सैको, अजन्ता फ्रेस्को, जयपुर फ्रेस्कों, गोर्धिक चित्रकला का इतिहास, भारतीय लघु चित्रकारी और इसकी प्रमुख उपशैलियां जैसे कोटा, बूंदी, मेवाड़, अलवर, किशनगढ़। मुगल–अकबर, जहांगीर, शाहजहां पहाड़–कांगड़ा, बसौली आदि, कम्पनी स्कूल (पटना कलम), बाइजेनटाइन चित्रकला एवं स्टेनग्लास, पुनरूत्थान एवं चरम पुनरूत्थान कालीन योरोपीय चित्रकला, नवशास्त्रीय कला एवं स्वच्छंदवादी चित्रकला, प्रभाववाद, उत्तर प्रभाववाद, घनवाद, अभिव्यंजनावाद, अतियथार्थवाद एवं उनके प्रसिद्ध कला एवं चित्रकार, समकालीन चित्रकला (धाराएं एवं प्रसिद्ध चित्रकार), पूर्व पश्चिम की सौन्दर्य शास्त्र की तुलनात्मक व्याख्या, रस और सौन्दर्य बोध का कला में स्थान।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एल.टी. ग्रेड–परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा हेतु 150 वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों वाला एक प्रश्नपत्र होगा। जिसका प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा।
प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 (0.33) अंक दण्ड के रूप में काटा जायेगा।
उक्त प्रश्नपत्र दो भागों में होगा।

प्रथम भाग– सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रकार)
द्वितीय भाग– मुख्य विषय – 120 प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रकार)
कुल प्रश्नों की संख्या – 150
परीक्षा अवधि– 2 घंटे (120 मिनट).....पूर्णांक 150

पाठ्यक्रम : कला

खण्ड-1 : चित्र कला के तत्व, मध्यम, तकनीक एव संयोजन के सिद्धान्त
(अ) चित्रकला के प्रचीन, पारम्परिक एवं आधुनिक माध्यम एवं विधयाँ।

खण्ड-2 : भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टिकोण, परिभषायें, विचारक, चिन्तक, कला के तत्व एवं कलाओं के अन्तर्सम्बन्ध
(अ) भारतीय चित्र शडंग

खण्ड-3 : भारत की प्रागैतिहासिक, प्राचीन, शास्त्रीय एवं मध्यकालीन कला–विकास क्रम, शैलियों एवं क्षेत्र
(अ) भारतीय आधुनिक एवं समकालीन कलाः- विकास-क्रम, महत्वपूर्ण कला संगठन, चित्रकार, छापाकार, विचारक एवं अवधारणाये।

खण्ड-4 : यूरोप की प्रागैतिहासिक, प्राचीन, शास्त्रीय एवं मध्यकालीन कला- विकास क्रम, शैलियों एवं क्षेत्र
(अ) यूरोप की आधुनिक कलाः- कला – संगठन, चित्रकार, मूर्तिकार, छापाकार, विचारक एवं अवधारणाएं।

खण्ड-5 : भारत के समसामयिक कला परिदृश्य, कलाकार, गतिविधियां एवं आधुनिक प्रयोग
(अ) कला बाजार, कला समालोचना एवं कला वैचारिकी।